Geet - Ageet

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1 - नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है? इससे संबंधित पंक्तियों को लिखिए।

उत्तर - जब नदी अपना दुःख कम करने के लिए किनारों से कुछ कहती हुई बह रही है तो किनारे पर एक गुलाब सोचने लगता है कि यदि भगवान उसे बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी अपने सपनों के गीत सबको सुनाता। इससे संबंधित पंक्तियाँ निम्नलिखित हैं -

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"

प्रश्न 2 - जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर - जब सूर्य की किरणें पत्तों से छनकर आती हैं और तोते के पंखों का स्पर्श करती हैं तो तोता गाना गाने लगता है। उसका गाना सुनकर उसकी मादा भी गाना चाहती है लेकिन उसका गीत केवल तोते के प्यार में लिपट कर रह जाता है और उसके मुँह से कुछ नहीं निकलता। उधर तोते का गीत पूरे वन में गूँज रहा है और इधर उसकी मादा उसका गीत सुनकर फूले नहीं समा रही है।

प्रश्न 3 - प्रेमी जब गीत गाता है, तो प्रेमी की क्या इच्छा होती है?

उत्तर - जब प्रेमी गीत गाता है तो प्रेमिका चोरी से छुप-छुप कर अपने प्रेमी का गाना सुनती है और मन में सोचती है कि वह उस गीत का हिस्सा क्यों नहीं बनती।

प्रश्न 4 - प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति चित्रण को लिखिए।

उत्तर - कविता के प्रथम छंद में नदी के बहने से जो दृश्य उत्पन्न होता है उसका कवि ने मनोहारी वर्णन किया है। नदी विरह के गीत गाते हुए बड़ी तेजी से बह रही है। ऐसा लगता है जैसे नदी किसी के बिछड़ने के दुःख में दुखी होते हुए गीत गाते हुए बड़ी तेजी से बह रही है। ऐसे में लगता है कि वह अपना दुःख कम करने के लिए किनारों से कुछ कहती हुई बहती जा रही है। कवि कहता है कि किनारे के पास में ही एक गुलाब चुपचाप यह सब देख रहा है और अपने मन में सोच रहा है कि यदि भगवान ने उसे भी बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी पूरी दुनिया को अपने सपनों के गीत सुनाता। झरना भी बह-बह कर गीत गा रहा है और गुलाब किनारे पर चुपचाप खड़ा है।

प्रश्न 5 - प्रकृति के साथ पशु पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - प्रकृति के साथ पशु पक्षियों का गहरा संबंध है। पशु पक्षी प्रकृति के बिना जीवित नहीं रह सकते। प्रकृति ही उन्हें आवास प्रदान करती है और भोजन प्रदान करती है।

प्रश्न 6 - मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर - मनुष्य को प्रकृति भिन्न रूपों में आंदोलित करती है। जब मनुष्य किसी कल कल बहती नदी को देखता है तो उसके संगीत में खो जाता है। जब मनुष्य हल्की बारिश देखता है तो उसमें सराबोर होना चाहता है। लेकिन जब तेज तूफान आता है तो मनुष्य उससे बचकर किसी सुरक्षित ठिकाने पर चला जाता है।

प्रश्न 7 - सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - जब हमारी भावना हमारे होठों पर लयबद्ध तरीके से बाहर आती है तो उसे गीत कहते हैं। जब कोई भावना अंदर ही रहती है तो उसे अगीत कहते हैं। कभी कभी अगीत भी गीत बनकर स्फुटित हो उठता है। और प्रकृति के द्वारा किए गए शब्दों से कवि भी हैरान है और समझ नहीं पा रहा है कि कवि की भावनाऐं जो गीत बन कर बाहर आई है वह सुन्दर है या प्रकृति के बिना शब्दों वाला संगीत सुन्दर है।

प्रश्न 8 - 'गीत अगीत' के केंद्रीय भाव को लिखिए।

उत्तर - इस कविता में कवि ने प्रत्यक्ष भावना और छुपी हुई भावना की तुलना की है। यह तुलना प्रकृति में छुपे अनेक सौंदर्य के सहारे से की गई है। नदी के गाने की तुलना गुलाब के मौन रहने से की गई है। शुक के गाने की तुलना शुकी के मौन से की गई है। प्रेमी के गाने की तुलना प्रेमिका के मौन से की गई है। इस तरह से इस कविता में कवि ने गीत और अगीत के माध्यम से प्रकृति का बड़ा ही मनोहारी वर्णन किया गया है।

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए

प्रश्न 1 - अपने पतझर के सपनों का मैं जग को गीत सुनाता

उत्तर - ये पंक्ति कविता के उस भाग से ली गई है जिसमें नदी की सुंदरता का वर्णन है। जब नदी गीत गाते हुए और किनारों से बातें करते हुए आगे बढ़ती है तो गुलाब चुपचाप यह सोचता है कि अगर भगवान ने उसे भी बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी दुनिया को अपने सपनों के बारे में गा गाकर सुनाता।

प्रश्न 2 - गाता शुक जब किरण वसंती छूती अंग पर्ण से छनकर

उत्तर - ये पंक्ति कविता के उस भाग से ली गई है जिसमें शुक और शुकी के प्रेम का वर्णन है। जब पत्तियों से छनकर आने वाली किरणें तोते के पंखों का स्पर्श करती हैं तो तोता गाने लगता है।

प्रश्न 3 - हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की बिधना यों मन में गुनती है

उत्तर - ये पंक्ति कविता के उस भाग से ली गई है जिसमें प्रेमी और प्रेमिका का वर्णन है। जब प्रेमी गीत गाता है तो प्रेमिका सोचती है कि कितना अच्छा होता यदि वह उस गीत का एक हिस्सा बन जाती।